आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 149 | उज्जैन, मंगलवार 22 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

जनसेवा का प्रभावी माध्यम है सिविल सेवा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेशनल सिविल सर्विस-डे पर अधिकारियों को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिविल सेवा सिर्फ़ एक पेशा नहीं, यह जनसेवा का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों का दायित्व है कि वे अपने अधिकारों का निःसंदेह सदुपयोग करें, लेकिन अपने कर्तव्यों से कदापि विमुख न हों। उन्होंने कहा कि लोक प्रशासन एक वृहद विषय है। इसका मूल मंत्र है - ÷लोगों की हर संभव तरीके से सेवा÷। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस (नेशनल सिविल सर्विस डे) के अवसर पर आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी सिविल सेवकों को लोक सेवा दिवस की बधाई दी और सभी से अपने उत्तरदायित्वों के प्रति संकल्पबद्ध रहने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक सेवा एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे पूरी निष्ठा, समर्पण, मनोयोग के साथ निभाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के चयनित 16 सिविल सेवकों (अधिकारियों) को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सभी अवार्डियों को उनके द्वारा किए गए नवाचारों के लिए बधाई देकर एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक कुशल सिविल सेवक वह होता है, जो न केवल शासन के नियमों, उपनियमों का पालन करे, बल्कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनता की कठिनाइयों एवं समस्याओं को समझे और उन्हें समुचित समाधान भी प्रदान करें। उन्होंने सभी सिविल सेवकों से अपेक्षा की कि वे नागरिकों की तत्पर सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और शासन को जनकल्याण की दिशा में अधिक प्रभावी बनाने की ओर अग्रसर करें।

अमेरिका दौरे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्टैनफोर्ड में देंगी भाषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने पांच दिवसीय अमेरिका दौरे के लिए सैन फ्रांसिस्को इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचीं। यह दौरा 20 अप्रैल से 25 अप्रैल तक निर्धारित है। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत भारत के अमेरिका में राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और सैन फ्रांसिस्को में भारत के कॉन्सल जनरल श्रीकर रेड्डी कोप्पुला ने किया। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में देंगी भाषण, सीईओज़ से होगी मुलाकात

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए लिखा, संयुक्त राज्य अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचने पर केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण का स्वागत अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, सैन फ्रांसिस्को में भारत के कॉन्सल जनरल डॉ. श्रीकर रेड्डी कोप्पुला और वित्त सचिव अजय सेठ ने सैन फ्रांसिस्को इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया। 20 अप्रैल से शुरू हो रही दो दिवसीय सैन फ्रांसिस्को यात्रा के दौरान निर्मला सीतारमण स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की बुनियाद' विषय पर मुख्य भाषण देंगी, इसके बाद एक फ़ायरसाइड चैट सेशन होगा।

एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान, हिन्दू एकता के लिए मोहन भागवत का नया फॉर्मूला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में हिंसा का भयावह मंजर देखने के बाद कई लोग हिन्दू एकता का आह्वान कर रहे हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी हिन्दुओं से एक रहने की अपील की है। उनका कहना है कि सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए हिन्दुओं के बीच जातिगत विभाजन को पाटना होगा। इसी कड़ी में मोहन भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान का फॉर्मूला पेश किया है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अलीगढ़ के दौरे पर हैं। रविवार को उन्होंने अलीगढ़ के एचबी इंटर कॉलेज और पंचन नगरी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने आरएसएस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

अलीगढ़ में संबोधन के दौरान मोहन भागवत ने कहा कि संघ के सभी परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित समुदाय का निर्माण करना होगा। इसके अलावा उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज के सभी वर्गों तक सक्रिय रूप से पहुंचने और जमीनी स्तर पर एकता बनाए रखने के लिए कहा है।

सूट में जेडी वेंस, स्टाइलिश चश्मे में पत्नी उषा, कुछ इस अंदाज में दिखे उपराष्ट्रपति के बच्चे; लूटा हर भारतीय का दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ भारत पहुंच गए हैं। उनका विमान आज 10 बजे पालम एयरपोर्ट पर उतरा । एयरपोर्ट पर उनका स्वागत केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। वो आज पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे । इस दौरान जेडी के बच्चों को पारंपरिक भारतीय कपड़ों में देखा गया।

जेडी वेंस ने नेवी ब्लू रंग का सूट पहना हुआ है जबकि उषा रेड कलर की ड्रेस में नजर आई। जिसे उन्होंने वाइट ब्लेजर के साथ पेयर किया। प्लेन से उतरते समय वह ब्लेजर को हाथ में लिए दिखीं, तो बाद में उन्होंने इसे अपने कंधों पर कैरी कर लिया।

बच्चों के कपड़ों ने खींचा ध्यान- वहीं उनके बच्चों के कपड़े सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं । उनके सबसे बड़े बेटे इवान ने हल्के नीले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना हुआ है। इवान सात साल के हैं जबकि पांच साल के विवेक ने पीले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना हुआ है। सबसे छोटी बेटी मिराबेल ने नीले रंग का फ्रॉक पहना हुआ है।

बता दें जेडी वेंस की पत्नी आंध्र प्रदेश की रहने वाली हैं। नई दिल्ली और वाशिंगटन अब द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, जिसमें टैरिफ और बाजार पहुंच सहित कई मुद्दों को संबोधित करने की उम्मीद है।

क्या है उपराष्ट्रपति का शेड्यूल- वेंस और उनका परिवार सोमवार रात को जयपुर के लिए रवाना होने वाला है। दिल्ली में, अमेरिकी उपराष्ट्रपति और उनका परिवार आईटीसी मौर्य शेरेटन होटल में ठहरे हैं। 22

किआ मोटर्स प्लांट से 900 इंजन चोरी, पुलिस ने 9 आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले में दक्षिणी कोरियाई कंपनी किआ मोटर्स के पेणुकोंडा प्लांट से लगभग 900 कार इंजन चोरी होने के मामले में पुलिस ने नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने रविवार को बताया कि पेणुकोंडा की एक अदालत ने आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कार इंजन की चोरी मामले में पुलिस की जांच पड़ताल जारी है। अभी तक केवल 10 प्रतिशत जांच पूरी हुई है। पता लगाया जा रहा है कि इसमें कौन-कौन शामिल है।

पांच साल से हो रही थी इंजनों की चोरी

पुलिस ने बताया है कि पांच वर्षों से कार के इंजन की चोरी हो रही थी। चुराए गए इंजनों की तस्करी की जाती थी और उन्हें भारत के कई राज्यों में बेचा जाता था। इससे बड़े अवैध नेटवर्क संचालित होने का संकेत मिलता है। पिछले महीने आंतरिक ऑडिट के दौरान किआ के अधिकारियों ने देखा कि कारों के इंजन गायब थे।

19 मार्च को कंपनी ने दर्ज कराई थी शिकायत- कंपनी ने 19 मार्च को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। श्री सत्य साई जिले के पेणुकोंडा में किआ कंपनी का कार निर्माण संयंत्र है। इससे पहले पुलिस अधिकारी वेंकटेश्वरलू ने बताया था, 2020 से इंजनों की चोरी हो रही थी। इंजन या तो संयंत्र के अंदर से या वहां पहुंचने के रास्ते में चुराए गए होंगे, क्योंकि एक छोटा पुर्जा भी कंपनी की अनुमति के बिना बाहर नहीं जा सकता।

रामबन में तबाही के बाद जोजिला दर्रे के पास हुआ भारी भूस्खलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू श्रीनगर राजमार्ग पर रामबन क्षेत्र पर हुए भारी भूस्खलन से हुए तबाही का सही अंदजा अभी लगाया ही जा रहा है कि इधर जोजिला पास के निकट भी एक भारी भूस्खलन हो गया है। जानकारी के अनुसार यह भूस्खलन सोमवार सुबह 11 बजे के करीब जोजिला पास के इंडिया गेट के निकट हुआ है।

प्राप्त सूचनाओं के अनुसार रास्ता बंद होने के चलते मार्ग सुनसान था जिसके चलते इस घटना में कोई जानी या माली नुकसान नही हुआ।

दवाओं और इंसुलिन से मुक्ति, अमित शाह ने बताया कैसे बदल गया उनका जीवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीति में सक्रियता और बिना छुट्टी लिए काम करने की बात होती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दाद दी जाती है। हालांकि गृह मंत्री अमित शाह भी उनसे किसी मामले में कम नहीं हैं। पार्टी की राजनीति हो या फिर देश के एक अहम पद की जिम्मेदारी, गृह मंत्री अमित शाह अपनी जिम्मेदारियों पर खरे उतरने की पूरी कोशिश करते हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस का राज भी बताया। उन्होंने कहा कि 2020 से पहले वह भी डायबिटीज से पीड़ित थे। उन्होंने अपने जीवन को अनुशासित करके ना केवल डायबिटीज पर नियंत्रण कर लिया बल्कि लगभग 20 किलो वजन भी घटा लिया। गृह मंत्री ने वर्ल्ड लिवर डे के मौके पर लिवर एवं पित्त विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, मुझे निमंत्रण क्या सोचकर दिया गया यह मुझे पता नहीं लेकिन सवाल उठता है कि मैंने निमंत्रण स्वीकार क्यों किया। मैं अपने जीवन का अनुभव साझा करना चाहता हूं। मई 2020 से आजतक मैंने अपने जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन किया है। शरीर को जितनी चाहिए उतनी नींद, जितना चाहिए उतना पानी और जरूरत के मुताबिक आहार और नियमित व्यायाम से मैंने अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया। मैं साढ़े चार साल के समय में मैं करीब-करीब सभी इंसुलिन और एलोपैथिक दवाओं से मुक्त होकर आपके सामने खड़ा हूं। उन्होंने कहा, विश्व यकृत दिवस के अवसर पर मैं युवाओं को जरूर कहना चाहूंगा कि अपने शरीर के लिए दो घंटा और दिमाग के लिए कम से कम 6 घंटे की नींद रिजर्व कर लीजिए। अनेक गुना इसकी उपयोगिता बढ़ जाएगी। यह मेरा अनुभव है कि अगर चार साल पहले मुझे यहां बुलाया जाता तो मैं नहीं आता क्योंकि मैं बात करने लायक ही नहीं था। गृह मंत्री ने सुनाया महात्मा बुद्ध का किस्सा- गृह मंत्री अमित शाह ने महात्मा बुद्ध का एक किस्सा सुनाते हुए कहा, एक मां बच्चे को लेकर महात्मा बुद्ध के सामने उपस्थित हुई। मां ने कहा कि बेटा गुड़ बहुत खाता है। आप उसको समझाइए कि ज्यादा गुड़ खाना फायदा नहीं करता। महात्मा बुद्ध ने एक सप्ताह के बाद बुलाया। मां फिर आई तो महात्मा बुद्ध ने बच्चे को समझाया कि ज्यादा गुड़ ना खाओ, बहुत नुकसान करता है।

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस नहीं रहे, 88 साल की उम्र में वेटिकन में निधन; फेफड़ों और किडनी में गंभीर संक्रमण था

नई दिल्ली (एजेंसी)। किडनी की बीमारी से जूझ रहे पोप फ्रांसिस का निधन हो गया है। वेटिकन ने एक वीडियो संदेश में ये जानकारी दी है। बयान में कहा गया कि रोमन कैथोलिक चर्च के पहले लैटिन अमेरिकी लीडर पोप फ्रांसिस का निधन हो गया है।

पोप को हुआ था निमोनिया- बता दें कि ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस 88 वर्ष के थे और वो किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। हाल ही में कई दिनों तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद वो ठीक होकर वापस घर लौटे थे। पोप फ्रांसिस हाल ही में डबल निमोनिया की गंभीर बीमारी से पीड़ित थे।

वेटिकन ने टीवी पर बताया - कार्डिनल केविन फैरेल ने आज वेटिकन के टीवी चैनल पर पोप के निधन की घोषणा की। फेरेल ने कहा, प्रिय भाइयों और बहनों, मुझे बहुत दुख के साथ हमारे पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा करनी पड़ रही है। आज सुबह 7:35 बजे रोम के बिशप फ्रांसिस का निधन हो गया।

प्रांसिस पोप के जीवन के महत्वपूर्ण क्षण

जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो का जन्म 17 दिसंबर, 1936 को हुआ था।

1969 में जेसुइट ऑर्डर में पुजारी नियुक्त किया गया था।

1973-79 तक वे अर्जेंटीना में शीर्ष नेता थे।

1992 में ब्यूनस आयर्स के सहायक बिशप और 1998 में शहर के आर्कबिशप बने।

2001 में पोप जॉन पॉल द्वितीय द्वारा कार्डिनल बनाया गया था।

मार्च 2013 में एक कॉन्क्लेव में पोप चुना गया था।

1,300 वर्षों में पहले गैर-यूरोपीय पोप थे।

उन्होंने पोप के कई पारंपरिक दिखावे को त्याग दिया।

अपोस्टोलिक पैलेस में भव्य पोप अपार्टमेंट के बजाय आधुनिक वेटिकन गेस्ट हाउस में रहना पसंद किया।

फ्रांसिस ने इटली के बाहर 47 यात्राएं कीं।

अमेरिका के साथ डील की तो बुरा होगा अंजाम, टैरिफ वॉर के बीच चीन की दूसरे देशों को धमकी; क्या है बीजिंग का प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील साइन करने वाले देशों को चेतावनी दे दी है। चीन का कहना है कि इस तरह के समझौते से बीजिंग को नुकसान हो सकता है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच टैरिफ युद्ध में उसकी बयानबाजी और तेज हो गई है।

चीन की यह चेतावनी ट्रंप प्रशासन की उन देशों पर दबाव बनाने की योजना के बारे में रिपोर्ट के बीच आई है जो अमेरिका से टैरिफ वार्ता की मांग कर रहे हैं ताकि चीन के साथ व्यापार को रोका जा सके।

टैरिफ वॉर के बीच चीन का जवाब - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के बाकी देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, चीन को कई उत्पादों पर 145 प्रतिशत तक का शुल्क देना पड़ रहा है। बीजिंग ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर 125 प्रतिशत शुल्क लगाकर जवाब दिया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि कई देश अब टैरिफ कम करने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं। लेकिन सोमवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह अमेरिका के साथ व्यापक आर्थिक सौदे करने वाले अन्य देशों का दृढ़ता से विरोध करता है जो उसके हितों से समझौता करते हैं।

तुष्टीकरण से शांति नहीं आएगी- बीजिंग के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, तुष्टिकरण से शांति नहीं आएगी और समझौते का सम्मान नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी कि यह दृष्टिकोण अंततः दोनों तरफ से विफल होगा और दूसरों को नुकसान पहुंचाएगा। मंत्रालय ने आगे कहा कि अगर ऐसा कोई समझौता किया जाता है, तो चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा और इसका दृढ़ता से और उसी तरह से जवाब देगा। इसका मतलब है कि चीन भी वैसे ही कदम उठाएगा जैसे अमेरिका ने उठाए हैं।

वैज्ञानिकों ने खोजा नया कलर, जिसे इंसानों ने कभी नहीं देखा... कैसे हुआ ये कारनामा

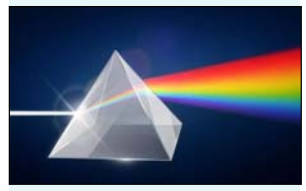

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब तक ये कहा जाता था कि दुनिया में कई ऐसी प्रजातियां हैं, जिन्हें इंसानों ने कभी देखा भी नहीं है। लेकिन रंगों को लेकर हमारा ज्ञान कितना सीमित हो सकता है, इसका आभास वैज्ञानिकों ने हमें करवा दिया है।

दरअसल वैज्ञानिकों ने एक ऐसे रंग की खोज की है, जिसे आज तक कभी इंसानों ने नहीं देखा था। इस रंग का नाम ओलो रखा गया है। ओलो स्पष्ट रूप से कैसा दिखता है, इसका विवरण तो नहीं दिया जा सकता, लेकिन इसे मोर के नीले या चैती रंग जैसा कुछ बताया है।

सिर्फ 5 लोगों ने ही देखा रंग- इस रंग को देखना आम इंसान के बस की बात नहीं है। वैज्ञानिकों ने भी इस रंग को देखने के लिए विशेष तकनीक का सहारा लिया है। इसके लिए आंखों के रेटिना पर लेजर बीम फायर किया गया और फिर इस रंग को देखा गया। अब तक इस रंग को केवल शोध कर रहे 5 लोगों ने ही देखा है। एक बार सोचकर देखिए कि इस रंग को पूरी दुनिया में महज 5 लोगों ने ही देखा है। वैज्ञानिकों ने ये भी कहा है कि इंसान कभी भी इस रंग को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में नहीं देख पाएगा।

आम जिंदगी ने नहीं दिखेगा रंग- वैज्ञानिकों ने बताया कि हम इस बात के लिए उत्साहित थे कि इस लेजर फ्लैश से मस्तिष्क किस तरह से काम करेगा।

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका की बड़ी एयर स्ट्राइक, 12 की मौत और 30 घायल; राजधानी सना पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन के हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने बड़ी एयरस्ट्राइक की है। यमन की राजधानी सना में विद्रोहियों को निशाना बनाया गया है। सोमवार को हूती विद्रोहियों ने जानकारी दी है कि अमेरिकी हवाई हमलों में 12 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हुए हैं। हालांकि अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमान ने हमलों की पुष्टि नहीं की है।

हफ्तेभर बाद दूसरी एयर स्ट्राइक- हूती विद्रोहियों के मुताबिक अमेरिका ने यह हमला सना के शूब जिले के फरवा पड़ोस के बाजार पर किया है। अमेरिकी सेना पहले भी इस क्षेत्र में हमलों को अंजाम दे चुकी है। सोमवार को रातभर अमेरिका ने हमले किए। यमन के अन्य हिस्सों को भी निशाना बनाया। पिछले सप्ताह अमेरिका ने यमन के रस ईसा ईंधन बंदरगाह पर एयर स्ट्राइक की थी।

सिस्टम में बड़ी गड़बड़ी... निर्वाचन आयोग ने भी समझौता कर लिया, राहुल गांधी ने अमेरिका में उठाया महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अमेरिका पहुंच चुके हैं। अमेरिकी शहर बोस्टन स्थित ब्राउन विश्वविद्यालय में राहुल गांधी ने छात्रों के एक सत्र को संबोधित किया। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव व निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता का मुद्दा उठाया। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों पर सवाल- अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में वहां के वयस्कों से अधिक लोगों ने मतदान किया। चुनाव आयोग ने शाम को साढ़े पांच बजे मतदान के आंकड़े जारी किए। शाम 5:30 से 7:30 के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया। मगर यह शारीरिक रूप से संभव नहीं है।

राहुल गांधी ने तर्क दिया कि एक वोट डालने में लगभग 3 मिनट का समय लगता है। अगर आप थोड़ी सी भी गणित लगाएंगे तो इसका अर्थ यह हुआ कि रात दो बजे तक लोगों की लाइन लगी रही होगी। मगर ऐसा नहीं हुआ।

कानून बदलने का लगाया आरोप - राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि जब हमने पूछा कि क्या वीडियोग्राफी हो रही है तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। न केवल इनकार किया बल्कि कानून भी बदल दिया। अब आपको वीडियोग्राफी के बारे में पूछने की अनुमति नहीं है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि यह बिल्कुल साफ है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है। यह भी स्पष्ट है कि व्यवस्था में बड़ी गड़बड़ी है। सार्वजनिक रूप से कई बार मीडिया और अन्य माध्यमों से हमने यह मुद्दा भी उठाया।

यमन से युद्ध की पूरी स्क्रिप्ट लीक, US रक्षा सचिव ने सिग्ननल पर किया शेयर; क्या परिवार को दे रहे थे खुफिया जानकारी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। हूती विद्रोहियों पर हुए हमले का प्लान एक बार फिर लीक हो गया है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने यमन के ईरान-समर्थित हौथियों पर मार्च में हुए हमले की डिटेल का एक प्लान लीक कर दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सिग्नल मैसेजिंग ऐप पर हूती पर हमले का प्लान लीक किया है।

आरोप है कि पीट हेगसेथ ने यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य हमले की संवेदनशील जानकारी को सिग्नल पर लीक कर दिया है। यह मामला अत्यंत गंभीर है। हेगसेथ ने यह जानकारी एक निजी सिग्नल ग्रुप में साझा की, जिसमें उनकी पत्नी

जेनिफर राउचेट हेगसेथ, भाई फिल हेगसेथ और निजी वकील टिम पार्लटोर सहित करीब एक दर्जन लोग शामिल थे।

रक्षा सचिव ने शेयर कर डाला प्लान- दूसरी चैट में, हेगसेथ ने हमले के बारे में जानकारी शेयर की जो पिछले महीने द अटलांटिक पत्रिका द्वारा बताई गई जानकारी के सामान थी, जब इसके प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग को सिग्नल एप पर एक अलग चैट में गलती से शामिल कर लिया गया था, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सभी वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों से जुड़ी एक शर्मनाक घटना थी। मामले से परिचित व्यक्ति, जो नाम न बताने की शर्त पर बोल रहा था ने कहा कि दूसरी चैट में लगभग एक दर्जन लोग शामिल थे और विस्तृत सैन्य योजना के बजाय प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उनकी पुष्टि प्रक्रिया के दौरान बनाई गई थी। व्यक्ति ने कहा कि चैट में हवाई हमलों के कार्यक्रम की डिटेल शामिल था।

रोजाना 4 घंटे की फ्लाइट, 18 हजार रुपये खर्च... इस सिंगर के कॉलेज जाने की कहानी आपको कर देगी हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में कई ऐसे लोग हैं, जिनकी कहानी सुनकर यकीन करना मुश्किल होता है। ऐसी ही कुछ कहानी है कि 22 वर्षीय पॉप गायक और लोकप्रिय जापानी गर्ल ग्रुप सकुराजाका46 की सदस्य युजुकी नाकाशिमा की।

नाकाशिमा प्रतिदिन अपने विश्वविद्यालय जाने के लिए करीब 1000 किलोमीटर की यात्रा करती हैं। इतना ही नहीं वह नियम विश्वविद्यालय आने जाने में 18000 रुपये खर्च करती हैं। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान उनको करीब 4 घंटों का सफर करना पड़ता है।

दरअसल, 22 वर्षीय पॉप गायिका और लोकप्रिय जापानी गर्ल ग्रुप सकुराजाका46 की सदस्य युजुकी नाकाशिमा अपनी शिक्षा और करियर के बीच संतुलन बनाने को लेकर काफी चर्चा में हैं। उनकी यात्रा को लेकर लोग प्रशंसा कर रहे हैं। आइए आपको उनकी पूरी कहानी बताते हैं।

जानिए नाकाशिमा की पूरी कहानी - एनडीटीवी ने साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के हवाले से बताया कि लोकप्रिय जापानी गर्ल ग्रुप सकुराजाका46 की सदस्य युजुकी नाकाशिमा प्रतिदिन सुबह पांच बजे जगती और यूनिवर्सिटी जाने के लिए टोक्यो से फुकुओका तक रोजाना चार घंटे का सफर तय करती रही हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर उनकी रोजाना यात्रा को दिखाने वाला उनका एक व्लॉग काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

इस चीनी एप ने दिखाया भारत का गलत नक्शा, सरकार ने गूगल को प्ले स्टोर से हटाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गूगल को प्ले स्टोर से चीनी चैट एप एबलो को हटाने का निर्देश दिया है। इस पर दिखाया गया भारत का नक्शा सही नहीं है।

सरकार ने नोटिस में कहा है कि चीनी वीडियो चैट प्लेटफार्म ने केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है और अपने मानचित्र से लक्षद्वीप को पूरी तरह से हटा दिया है।

गूगल प्ले स्टोर से इसे दस हजार से अधिक लोगों ने किया डाउनलोड- प्ले स्टोर पर इसे 10000 से अधिक लोगों ने डाउनलोड किया है। ऐसा प्रतीत होता है कि गूगल ने आदेश का अनुपालन कर लिया है, क्योंकि एप के प्ले स्टोर पेज पर अब यह संदेश दिखाई दे रहा है कि हमें खेद है, अनुरोधित यूआरएल इस सर्वर पर नहीं मिला। यह एप अब भारतीय यूजर्स के लिए एपल के एप स्टोर पर भी उपलब्ध नहीं है।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला, खालिस्तान समर्थकों ने तीसरी बार बनाया निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में एक बार फिर हिन्दू मंदिर पर हमले की खबर सामने आ रही है। कनाडा के एक पत्रकार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। इस हमले के पीछे खालिस्तानी समर्थकों का हाथ है। यह तीसरी बार है जब कनाडा में किसी हिन्दू मंदिर को निशाना बनाया गया है।

कनाडा में हिंदूफोबिया तेजी से पैर पसार रहा है। कैनिडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी इस पर चिंता जताई है। CHCC ने हिन्दू मंदिर पर हमले की वीडियो शेयर करते हुए कड़े शब्दों में इसकी निंदा की है। यह हमला ब्रिटिश कोलंबिया के लक्ष्मी नारायण मंदिर पर हुआ है। CHCC का कहना है कि इस हमले के पीछे खालिस्तानी उग्रवादियों का हाथ है। उन्होंने मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ की। CHCC ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कनाडा में इस तरह की नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। यह हिंदूफोबिया का उदाहरण है। हम इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हैं। साथ ही कनाडा के सभी नागरिकों से हिंसा के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने की अपील करते हैं। कनाडा के पत्रकार डेनियल बोर्डमैन ने भी हमले का वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि यह वीडियो मंदिर के बाहर का है।

चार हफ्ते का समय देता हूं, कहीं से भी..., बाल तस्करी मामले पर SC ने दिल्ली पुलिस को दिया सख्त अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बाल तस्करी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। कोर्ट ने कहा कि देश में बच्चों की तस्करी स्थिति बदतर होती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को अपहृत नवजात शिशुओं को खोजने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि दिल्ली के अंदर और बाहर नवजात शिशुओं का अपहरण करने और उन्हें बेचने में शामिल गिरोहों के मुद्दे की जांच के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को चार सप्ताह का समय देते हुए कहा कि वह बाल तस्करी में शामिल गिरोह के सरगना और अपहृत शिशुओं का पता लगाए और प्रगति के बारे में अदालत को सूचित करे।

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, वे (बाल तस्करी गिरोह) समाज के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं। (बच्चों की) खरीद-फरोख्त बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। आपको नहीं पता कि वे कहां पहुंच जाते हैं।

खत्म हो जाएंगी नौकरियां तो फिर पढ़े-लिखे युवा क्या करेंगे मार्केट एक्सपर्ट ने बताया- कैसा होगा भविष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पारंपरिक नौकरियां बीतने जमाने की बात होती जा रही हैं। मिडिल क्लास को जॉब सिक्योरिटी और सैलरी इनकम के भरोसे अच्छी जिंदगी गुजारने के भ्रम से बाहर निकलना चाहिए और उद्यमिता को आय का जरिया बनाना चाहिए। यह कहना है मार्सेलस इंवेस्टमेंट मैनेजर्स के फाउंडर और चीफ इंवेस्टमेंट ऑफिसर सौरभ मुखर्जी का। उन्होंने कहना है कि इंडस्ट्री में मेहनती मध्यम वर्ग के लोग की जगह स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता लेगी।

सौरभ मुखर्जी ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में कहा कि भारत इस दशक एक नए आर्थिक दौर में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में आशंका है कि मोटी तनख्वाह वाली पारंपरिक नौकरियों के मौक सीमित होंगे और पढ़े-लिखे लोगों के लिए नौकरियां भरोसेमंद आधार नहीं रह जाएंगी। इस दशक चौतरफा छंटनी होगी।

क्या खत्म हो जाएंगी नौकरियां- सौरभ मुखर्जी ने कहा, मुझे लगता है कि इस दशक सैलरीमैन और सैलरीवुमन के लिए चिंता की खबर है, क्योंकि वेतनभोगी नौकरियां खत्म होंगी। पढ़ें-लिखे, मेहतनी और दृढ़ निश्चयी लोगों के लिए पारंपरिक नौकरियों के अवसर धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अब वो पुराना मॉडल, जिसमें हमारे माता-पिता 30-30 सालों तक काम करते थे और रिटायर होते थे, यह सिस्टम अब अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। जिन नौकरियों ने भारत में मध्यम वर्ग तबका खड़ा किया, जिस रोजगार ढांचे के भरोसे मध्यम वर्ग लोन ले रहा है, वह अब टिकाऊ नहीं रह गया है।

इसकी दो वजह हैं- पहली सभी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ऑटोमेशन पर काम कर रही हैं।

दूसरी सभी उद्योगों में मिडिल मैनेजमेंट का दायरा दिन-ब-दिन सिकुड़ता जा रहा है।

मार्सेलस इंवेस्टमेंट मैनेजर्स के फाउंडर और चीफ इंवेस्टमेंट ऑफिसर सौरभ मुखर्जी का कहना है कि जो काम पहले सफेदपोश कर्मचारी करते आ रहे थे, वह काम अब एआई द्वारा कराया जा रहा है।

निशिकांत दुबे पर केस कीजिए, हमारी अनुमति की जरूरत नहीं, अवमानना याचिका पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई के खिलाफ टिप्पणी करने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। अब दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की मांग की गई है, जिसपर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा बयान आया है।

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी- अवमानना की कार्रवाई की मांग लेकर पहुंचे याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि दुबे ने सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की गलत तरीके से आलोचना कर अवमानना की है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केस करने के लिए आपको हमारी अनुमति की जरूरत नहीं है।

अटॉर्नी जनरल से मंजूरी लेने की जरूरत- न्यायमूर्ति बी आर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से वकील ने दुबे की टिप्पणियों के बारे में हाल ही में आई एक खबर का हवाला दिया और कहा कि वह अदालत की अनुमति से अवमानना याचिका दायर करना चाहते हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, आप इसे दायर करें। दायर करने के लिए आपको हमारी अनुमति की जरूरत नहीं है।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को मामले में अटॉर्नी जनरल से मंजूरी लेने की जरूरत है।

दुबे ने CJI पर की थी विवादित टिप्पणी- दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट को कानून बनाना है तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सीजेआई खन्ना पर भी कटाक्ष किया और उन्हें देश में गृह युद्धों के लिए जिम्मेदार ठहराया।

क्या है मामला- दरअसल, दुबे की टिप्पणी केंद्र के न्यायालय को दिए गए आश्वासन के बाद आई है कि वह वक्फ (संशोधन) अधिनियम के कुछ विवादास्पद प्रावधानों को सुनवाई के अगले दिन तक लागू नहीं करेगा, क्योंकि न्यायालय ने उन पर सवाल उठाए थे।

चेहरे पर फेंकी मिर्च, फिर चाकू से गोद डाला; कर्नाटक में पूर्व डीजीपी की हत्या पर बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश नारायण के केस में नया खुलासा सामने आया है। ओम प्रकाश को मारने से पहले उनकी पत्नी पल्लवी ने उन पर मिर्ची पाउडर फेंका और फिर चाकू से गोदकर पति की हत्या कर दी।

ओम प्रकाश नारायण के मर्डर केस में उनकी पत्नी पल्लवी पर पुलिस को पहले से शक था। ऐसे में पुलिस ने उन्हें हिरासत में रखा है। पल्लवी के अलावा उसकी बेटी कीर्ति भी पुलिस की हिरासत में है।

स्विमिंग पूल में मिला शव- बिहार से ताल्लुक रखने वाले ओम प्रकाश नारायण 1981 बैच के ढ्ढक्स ऑफिसर थे। कर्नाटक के पॉश इलाके ॥स्क्रलेआउट में ओम प्रकाश का तीन मंजिला घर बना था। रविवार को उनका शव घर के स्विमिंग पूल में पड़ा मिला। शव बुरी तरह खून से लथपथ था और पानी की सतह पर तैर रहा था।

कैसे की हत्या- सूत्रों के हवाले से पता चला है कि ओम प्रकाश और पल्लवी के बीच में काफी बहस हो गई थी। ऐसे में पल्लवी ने पति के चेहरे पर मिर्च का पाउडर फेंका और फिर चाकू से गोदकर उनकी हत्या कर दी। पल्लवी ने ओम प्रकाश पर लगातार कई बार चाकू से वार किया और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हत्या की वजह क्या- पति की बेरहमी से हत्या करने के बाद पल्लवी ने अपने दोस्त को वीडियो कॉल किया और उससे कहा कि मैंने इस राक्षस को मौत के घाट उतार दिया है। इस हत्याकांड की वजह पति और पत्नी के बीच का झगड़ा बताया जा रहा है। हालांकि, इस मामले में संपत्ति विवाद का मामला भी सामने आ रहा है।

मानसिक बीमारी से पीड़ित है पल्लवी- शुरुआती जांच की मानें तो कर्नाटक के दांदेली में एक जमीन थी, जिसे लेकर ओम प्रकाश और पल्लवी के बीच लड़ाई चल रही थी। कुछ महीने पहले पल्लवी ने ॥स्क्रलेआउट पुलिस स्टेशन में ओम प्रकाश के खिलाफ शिकायत लिखवाने की कोशिश की।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण नवमी

संपादकीय

कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि विधायिका,कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच तालमेल डगमगाने की खबरें आती रहती है

वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि विधायिका,कार्यपालिका व न्यायपालिका के बीच तालमेल डगमगाने की खबरें आती रहती है।विधायिका कानून बनाकर न्यायपालिकाओं के पर कतरनें में लगे हुए हैं, जिसका ताजा सटीक उदाहरण इज़राइल, पाकिस्तान जैसे कुछ देश हैं जिन्होंने कानून पारित कर न्यायपालिका के पर कतरे हैं। भारत में भी न्यायिक अपॉइंटमेंट कमीशन बिल सहित अनेक ऐसे सुझाव दिए हैं कि न्यायाधीशों की कॉलेजियम सिस्टम से नियुक्ति न करने तथा इसपर आयोग या कानून बनाकर न्यायाधीशों की नियुक्ति की जाए। परंतु न्यायपालिका कोई दखल नहीं चाहता। आज हम इस विषय पर चर्चा इसीलिए कर रहे हैं क्योंकि 17 अप्रैल 2025 को माननीय राष्ट्रपति ने,19 अप्रैल 2025 को सत्ताधारी पार्टी के सांसद ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर टिप्पणी की, जिसके कारण विधायिका कार्यपालिका व न्यायपालिका में बवाल मचा हुआ है, व अवमानना की याचिकाएं उपरोक्त धाराओं के अंतर्गत अनुमति/सहमति के लिए फाइल कर दी गई है। परंतु मेरा मानना है कि सांसद पर अवमानना की कार्रवाई की संभावना कम नजर आ रही है,क्योंकि सॉलिसिटर जनरल अटॉर्नी जनरल की सहमति नहीं मिलेगी।परंतु मेरा मानना है कि इस तरह की टिप्पणियाँ बिना किसी बैकिंग पावर के नहीं दी जा सकती, इसकी जगह अगर कोई छोटा या साधारण आदमी होता तो कब का कंटेंप्ट ऑफ़ कोड हो जाता और सजा की संभावना बन जाती? चूँकि क्या बड़े बयांन किसी रणनीति के तहत बैकिंग सपोर्ट से दिए जाते हैं? तीर निशाने पर नहीं लगा तो बैकिंग का किनारा व निजी बयान की घोषणा की जाती है? तथा कंटेंप्ट ऑफ़ कोर्ट एक्ट 1971 की धारा 15 (1) (सी) व अवमानना संबंधी सुप्रीम कोर्ट के 1975 के नियम 3 (सी) के तहत अटॉर्नी/सॉलिसिटर जनरल की सहमति से ही कार्रवाई शुरू होगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल का माध्यम से चर्चा करेंगे, सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ टिप्पणी से बवाल मचा, सांसद बनाम सुप्रीम कोर्ट, अवमानना की गाज गिरनें की संभावना?

साथियों बात अगर हम सांसद के खिलाफ़ अवमानना की कार्रवाई होने की संभावना की करें तो, सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई के ख़िलाफ़ विवादित बयान के लिए सांसद पर अब अवमानना की तलवार लटक रही है। अब उनके ख़िलाफ़ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई की मांग उठी है। सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखकर अवमानना कार्यवाही शुरू करनेकी अनुमति मांगी है। पत्र में कहा गया कि उनकी टिप्पणियां गंभीर रूप से अपमानजनक और ख़तरनाक रूप से उकसाने वाली% हैं, जो सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और स्वतंत्रता पर हमला करती हैं। यह पत्र अवमानना अधिनियम की धारा 15 (1)(बी) और सुप्रीम कोर्ट की अवमानना नियमावली के नियम 3 (सी) के तहत लिखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने वक्फ़विधेयक के संदर्भ में सांप्रदायिक रूप से ध्रुवीकरण करने वाले बयान दिए जो कोर्ट की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हैं, हालांकि, कार्यवाही शुरू करने के लिए अटॉर्नी जनरल की सहमति ज़रूरी है।

यह क़दम तब उठाया गया है जब सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के ख़िलाफ़ विवादित टिप्पणियों ने सियासी हलकों में भूचाल ला दिया है। 19 अप्रैल को दिए गए अपने बयान में सांसद ने सुप्रीम कोर्ट को धार्मिक युद्ध भड़काने और अराजकता की ओर ले जाने का ज़िम्मेदार ठहराया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था, क़ानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।

पृथ्वी दिवस

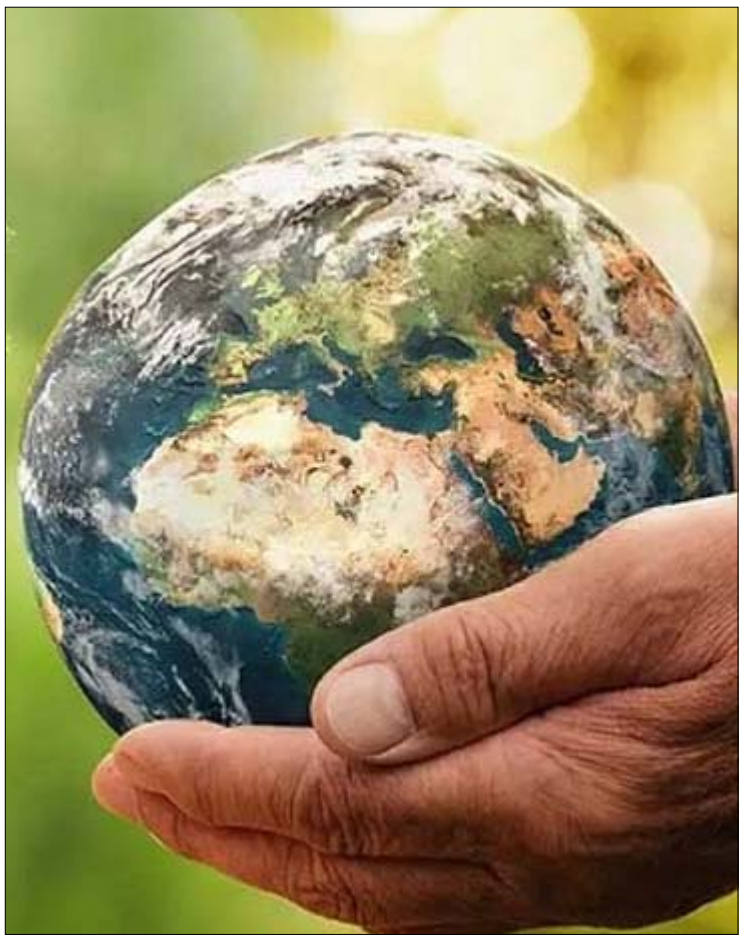

पृथ्वी दिवस एक वार्षिक आयोजन है जिसे 22 अप्रैल को दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित किया जाता है। इसकी स्थापना अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 में एक पर्यावरण शिक्षा के रूप की थी। अब इसे 192 से अधिक देशों में प्रति वर्ष मनाया जाता है। यह तारीख उत्तरी गोलार्द्ध में वसन्त और दक्षिणी गोलार्द्ध में शरद का मौसम है।जब बार से चुनगी आते थे संयुक्त राष्ट्र में पृथ्वी दिवस को प्रत्येक वर्ष मार्च विषुव (वर्ष का वह समय जब दिन और रात बराबर होते हैं) पर मनाया जाता है, यह अक्सर 20 मार्च होता है, यह एक परम्परा है जिसकी स्थापना शान्ति कार्यकर्ता जॉन मक्कोनेल के द्वारा की गयी। यह पृथ्वी का बड़ा ही मनाया जाने वाला दिवस है।

महत्व- पृथ्वी दिवस का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि, इस दिन हमें ग्लोबल वार्मिंग के बारे में पर्यावरणविदों के माध्यम से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का पता चलता है। पृथ्वी दिवस जीवन संपदा को बचाने व पर्यावरण को ठीक रखने के बारे में जागरूक करता है। जनसंख्या वृद्धि ने प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक बोझ डाला है, संसाधनों के सही इस्तेमाल के लिए पृथ्वी दिवस जैसे कार्यक्रमों का महत्व बढ़ गया है।

22 अप्रैल दिवस का इतिहास- सितम्बर 1969 में सिएटल, वाशिंगटन में एक सम्मलेन में विस्कोंसिन के अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन घोषणा की कि 1970 की वसंत में पर्यावरण पर राष्ट्रव्यापी जन साधारण प्रदर्शन किया जायेगा. सीनेटर नेल्सन ने पर्यावरण को एक राष्ट्रीय कार्यसूची में जोड़ने के लिए पहले राष्ट्रव्यापी पर्यावरण विरोध की प्रस्तावना दी। वे याद करते हैं कि यह एक जुआ था लेकिन इसने काम किया। जानेमाने फिल्म और टेलिविज़न अभिनेता एड्डी अलबर्ट ने पृथ्वी दिवस, के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी. हालाँकि पर्यावरण सक्रियता का सन्दर्भ में जारी इस वार्षिक घटना के निर्माण के लिए अलबर्ट ने प्राथमिक और महत्वपूर्ण कार्य किये, जिसे उसने अपने सम्पूर्ण कार्यकाल के दौरान प्रबल समर्थन दिया, लेकिन विशेष रूप से 1970 के बाद, एक रिपोर्ट के अनुसार पृथ्वी दिवस को अलबर्ट के जन्मदिन 22 अप्रैल, को मनाया जाने लगा, एक स्रोत के अनुसार यह गलत भी हो सकता है। अलबर्ट को टीवी शो ग्रीन एकर्समें प्राथमिक भूमिका के लिए भी जाना जाता था, जिसने तत्कालीन सांस्कृतिक और पर्यावरण चेतना पर बहुमूल्य प्रभाव डाला।

संकल्पात्मक विकास- रॉन कोब ने एक पारिस्थितिक प्रतीक का निर्माण किया, जिसे बाद में पृथ्वी दिवस के प्रतीक के रूप में अपनाया गया और लोस एंजिल्स फ्री प्रेस में 7 नवम्बर 1969 को प्रकाशित किया गया और फिर इसे सार्वजनिक डोमेन में रखा गया। यह प्रतीक "E" व "O" अक्षरों के संयोजन से बनाया गया था जिन्हें क्रमशः "Environment" व "Organism" शब्दों से लिया गया था। यह थीटा चिन्ह जो इसके समान है, का उपयोग पूरे इतिहास में एक चेतावनी के रूप किया जाता रहा है। लुक मैगजीन ने अपने 21 अप्रैल 1970 के अंक में एक ध्वज में इस प्रतीक को प्रस्तुत किया। इस ध्वज का प्रतिरूप संयुक्त राज्य के ध्वज के प्रतिरूप से लिया गया था और इसमें एक बाद एक तेरह हरी और सफ़ेद पट्टियां थीं।

इसका केण्टन पारिस्थितिक प्रतीक के साथ हरा था जहाँ तारे संयुक्त राज्य के ध्वज में थे।

विज्ञापन मुद्रण लेखक जुलियन केनिग 1969 में नेल्सन की संगठन समिति में सीनेटर थे और उन्होंने इस घटना को पृथ्वी दिवस नाम दिया।

इस नए आन्दोलन को मनाने के लिए 22 अप्रैल का दिन चुना गया, जब केनिग का जन्मदिन भी होता है।

उन्होंने कहा कि किल अर्थ डे बर्थ डे के साथ ताल मिलाता है, इसलिए यह विचार उन्हें आसानी से आया।

30 नवम्बर 1969 को न्यूयार्क टाइम्स में, सामने के पेज पर, एक लम्बे लेख में, ग्लेडविन हिल ने लिखा- पर्यावरण संकट की बढती चिन्ता राष्ट्रों को प्रभावित कर रही है, जो छात्रों को वियतनाम में युद्ध में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रही है। पर्यावरण की समस्या के प्रेक्षण का एक राष्ट्रीय दिन, जो वियतनाम में सामूहिक प्रदर्शन के समान है, अगले वसन्त के लिए इसकी योजना बनायी जा रही है, जब सीनेटर जेराल्ड नेल्सन के कार्यालय से समन्वित राष्ट्रव्यापी पर्यावरणी शिक्षण का आयोजन किया जायेगा. सेनेटर नेल्सन ने इस घटना में राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय के लिए डेनिस हायेस को भी नियुक्त किया।

शुरुआत और जारी विकास- 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस ने आधुनिक पर्यावरण आन्दोलन की शुरुआत को चिन्हित किया। लगभग 20 लाख अमेरिकी लोगों ने, एक स्वस्थ, स्थायी पर्यावरण के लक्ष्य के साथ भाग लिया। हायेज और उनके पुराने स्टाफ ने बड़े पैमाने पर तट से तट तक रैली का आयोजन किया।

हजारों कॉलेजों और विश्वविद्यालयों ने पर्यावरण के दूषण के विरुद्ध प्रदर्शनों का आयोजन किया। वे समूह जो तेल रिसाव, प्रदुषण करने वाली फैक्ट्रियों और उर्जा संयन्त्रों, कच्चे मलजल, विषैले कचरे, कीटनाशक, खुले रास्तों, जंगल की क्षति और वन्यजीवों के विलोपन के विरुद्ध लड़ रहे थे, ने अचानक महसूस किया कि वे समान मूल्यों का समर्थन कर रहें हैं।

200 मिलियन लोगों का 141 देशों में आगमन और विश्व स्तर पर पर्यावरण के विषयों को उठा कर, पृथ्वी दिवस ने 1990 में 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में पुनः चक्रीकरण के प्रयासों को उत्साहित किया और रियो डी जेनेरियो में 1992 के संयुक्त राष्ट्र पृथ्वी सम्मलेन के लिए मार्ग बनाया।

सहस्राब्दी की शुरुआत के साथ ही, हायेज ने एक अन्य अभियान के नेतृत्व के लिए सहमति जतायी, इस बार ग्लोबल वार्मिंग पर ध्यान केन्द्रित किया गया और स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन दिया गया।

22 अप्रैल 2000 का पृथ्वी दिवस पहले पृथ्वी दिवस की उमंग और 1990 के पृथ्वी दिवस की अन्तरराष्ट्रीय जनसाधारण कार्यशैली का संगम था।

2000 में, इण्टरनेट ने पूरी दुनिया के कार्यकर्ताओं को जोड़ने में पृथ्वी दिवस की मदद की।

22 अप्रैल के आते ही, पूरी दुनिया के 5000 समूह एकजुट हो गए और 184 देशों के लाखों लोगों ने इसमें हिस्सा लिया।

ऐसे विविध घटनाक्रम थे- गेबन, अफ्रीका में गाँव से गाँव तक यात्रा करने वाली एक बोलते ड्रम की शृङ्खला, उदाहरण के लिए जब सैंकडों हजारों लोग वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका में नेशनल मॉल में एकत्रित हुए।

2007 का पृथ्वी दिवस अब तक के सबसे बड़े पृथ्वी दिवसों में से एक था, जिसमें अनुमानतः हजारों स्थानों जैसे कीव, युक्रेन; काराकास, वेनेजुएला; तुवालु; मनीला, फिलिपींस; टोगो; मैड्रिड, स्पेन, लन्दन; और न्यूयार्क के करोड़ों लोगों ने भाग लिया।

पृथ्वी दिवस नेटवर्क- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण नागरिकता और साल भर उन्नति को बढ़ावा देने के लिए 1970 में पृथ्वी दिवस नेटवर्क की स्थापना पहले पृथ्वी दिवस के आयोजकों के द्वारा की गयी। पृथ्वी दिवस के नेटवर्क के माध्यम से, कार्यकर्ता, राष्ट्रीय, स्थानीय और वैश्विक नीतियों में परिवर्तनों को आपस में जोड़ सकते हैं। अन्तरराष्ट्रीय नेटवर्क 174 देशों में 17,000 संस्थानों तक पहुँच गया है, जबकि घरेलू कार्यक्रमों में 5,000 समूह और 25,000 से अधिक शिक्षक शामिल हैं, जो साल भर कई मिलियन समुदायों के विकास और पर्यावरण सुरक्षा कार्यकर्ताओं की मदद करते हैं।

विषुव (इक्विनोक्स) (सम्पात या वर्ष का वह समय जब दिन और रात बराबर होते हैं) पृथ्वी दिवस के इतिहास- सम्पातिक पृथ्वी दिवस को मार्च इक्विनोक्स (20 मार्च के आस पास) पर मनाया जाता है, यह उत्तरी गोलार्द्ध में खगोलीय मध्य वसंत को तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में खगोलीय मध्य पतझड़ को चिन्हित करता है। खगोल विज्ञान में सम्पात वह समय है जब सूर्य के केन्द्र को पृथ्वी की भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर देखा जा सकता है।

एसेट एलोकेशनः स्ट्रेस फ्री और सस्टेनेबल वेल्थ क्रिएशन का स्मार्ट मार्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक सफल निवेश की यात्रा केवल यह नहीं है कि आपने हाई रिटर्न प्राप्त किया है, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसे रिटर्न को प्राप्त करने के लिए आप किस तरह के अनुभवों से गुजरे हैं। क्या आपका एक्सपीरियंस तनाव से मुक्त था, क्या आप खुश थे। अगर आपका ध्यान केवल हाई रिटर्न पर है तो यह मानकर चले कि आप अपने निवेश की प्रक्रिया के साथ समझौता कर रहे हैं। सस्टेनेबल वेल्थ क्रिएशन के लिए यह जरूरी है कि आप निवेश की पूरी यात्रा के दौरान निवेश के मौलिक सिद्धांतों का पालन करें।

बेहतर निवेश के लिए एसेट एलोकेशन एक बुनियादी घटक है। इसके साथ बने रहने से अलग-अलग मार्केट साइकिल में एक बेहतर इन्वेस्टमेंट एक्सपीरियंस देखने को मिलता है।

एसेट एलोकेशन जैसा कि नाम से ही समझा जा सकता है कि आपके इन्वेस्टमेंट को एक उपयुक्त अनुपात में अलग-अलग एसेट क्लास में आवंटित किया जाता है। इसके लिए मैक्रो और माइक्रो अर्थव्यवस्था की स्थिति पर नजर रखी जाती है। आपको बता दें कि एसेट क्लास कई हैं जैसे इक्विटी, डेट, गोल्ड और रियल एस्टेट से जुड़े इंस्ट्रूमेंट्स। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सभी एक-दूसरे से अलग हैं।

इक्विटी, एक ऐसा एसेट क्लास है जिसमें सबसे ज्यादा जोखिम होता है, जिसे अक्सर हाई रिटर्न देने के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर, डेट अच्छे रिटर्न के साथ स्थिरता देता है। वहीं, गोल्ड इन्फ्लेशन के विरुद्ध एक मजबूत हेज के रूप में कार्य करता है जबकि रियल एस्टेट आपके यील्ड को बढ़ाता है। हालांकि, सभी एसेट क्लास के अलग-अलग मार्केट साइकिल होते हैं, और वैल्यूएशन डायनामिक और रिस्क टू रिवॉर्ड रेश्यो के मामले में काफी भिन्न होते हैं। संक्षेप में, सभी एसेट क्लास एक साथ न तो आउटपरफॉर्म करते हैं और न ही अंडरपरफॉर्म। कई बार गोल्ड में फायदा दिखता है और बाकि एसेट में कम, और कभी-कभी इक्विटी आगे निकल जाती है। एक ही एसेट क्लास में अपने पोर्टफोलियो को केंद्रित करने से रिस्क ज्यादा होता है और इससे काफी नुकसान हो सकता है। यहीं पर एसेट एलोकेशन निवेशकों के लिए जरूरी हो जाता है, जो न केवल संतुलन को बनाए रखता है, बल्कि लंबी अवधि में निवेशकों को लाभ पहुंचाता है। यह एसेट क्लास में रिस्क को डायवर्सिफाई करता है, जिससे हर क्लास में बेहतर रिटर्न और लाभ की संभावना बढ़ जाती है, वो भी बिना किसी तनाव के।

7 के शेयर पर टूटे निवेशक, 12 तक जाएगा भाव! सरकार ने लिया है यह फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेलीकॉम सेक्टर की कंपनी- वोडाफोन आइडिया के शेयर में सोमवार को तूफानी तेजी थी। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यह शेयर 10 फीसदी से ज्यादा उछल के साथ 8.18 रुपये पर पहुंच गया। एक दिन पहले शेयर की कीमत 7 रुपये के स्तर पर थी। सोमवार को यह तेजी ऐसे समय में आई है जब सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। इस बीच, ब्रोकरेज सिटी शेयर पर बुलिश नजर आ रहा है।

दरअसल, भारत सरकार ने कंपनी के स्पेक्ट्रम भुगतान बकाया के एक हिस्से को 36,950 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करके अपनी हिस्सेदारी 22.60 प्रतिशत से बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत कर दी है। भारत सरकार के इस कदम से दूरसंचार कंपनी की वैधानिक देनदारियों में उस राशि की कमी आने की उम्मीद है।

इस डील से पहले वोडाफोन आइडिया में वोडाफोन यूके की हिस्सेदारी लगभग 24.4% से घटकर 16.1% हो गई, जबकि आदित्य बिड़ला समूह की हिस्सेदारी मौजूदा 14% से घटकर 9.4त्न हो गई। इससे पहले फरवरी 2023 में सरकार ने वोडाफोन आइडिया के लगभग 16,130 करोड़ के बकाया को इक्विटी में बदल दिया था। इसमें आस्थगित AGR (समायोजित सकल राजस्व) और स्पेक्ट्रम भुगतान से ब्याज शामिल था।

1 मई से एटीएम के इस्तेमाल पर होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते से एटीएम से कैश निकालना महंगा हो जाएगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इसे लेकर 28 मार्च 2025 को घोषणा की थी। अभी तक एटीएम मशीन से कैश निकालने की लिमिट 21 रुपये प्रति ट्रांसजेक्शन रखी गई है। लेकिन बहुत जल्द ट्रांसजेक्शन पर लगने वाला चार्ज या शुल्क बढ़ जाएगा।

कितने रुपये देना होगा अब चार्ज- आरबीआई द्वारा की गई घोषणा के अनुसार अब एटीएम से कैश निकालने पर ग्राहकों को 21 रुपये की जगह 23 रुपये चार्ज देना होगा। जिसका मतलब है कि आरबीआई ने विड्रॉल चार्ज 2 रुपये बढ़ा दिया गया है।

हालांकि अभी मेट्रो सिटी जैसे मुंबई, कोलकाता, नई दिल्ली इत्यादि में तीन ट्रांसजेक्शन मुफ्त है। हालांकि इससे ज्यादा ट्रांसजेक्शन करने पर 21 रुपये चार्ज देना होता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो एटीएम से तीन बार तक मुफ्त कैश निकाला जा सकता है। इससे ज्यादा बार निकालने पर चार्ज वसूला ज्यादा है।

क्यों लगता है विड्रॉल चार्ज- अगर कोई ग्राहक एक्स नामक बैंक का ग्राहक है। लेकिन कैश निकालने के लिए अन्य किसी बैंक का उपयोग करता है। तो ऐसे दूसरा बैंक एक्स नामक बैंक से interchange fees वसूलता है। इसी फीस को एक्स नामक बैंक अपने ग्राहक से विड्रॉल चार्ज के नाम पर वसूलेगा।

चार्ज या शुल्क से कैसे बचें- इस चार्ज या शुल्क से आसानी से बचा जा सकता है। अभी के समय में तीन पर एटीएम से कैश निकालना मुफ्त है। या इस पर जिरो या कोई चार्ज नहीं देना होता है। आप पहले ही ये तय कर ले कि इस महीने आपको कितने रुपये कैश की जरूरत पड़ सकती है। उसके अनुसार से ही एटीएम से एक या दो बार कैश निकाल लें। इसके साथ ही कई तरह के खर्चों या सामान खरीदने के लिए यूपीआई ऐप या एटीएम कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। आजकल हर छोटी-बड़ी दुकान पर यूपीआई पेमेंट स्वीकार की जाती है।

FD या स्कीम में निवेश पैसा कब होगा डबल, 72 नियम से कैसे करें पता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा समय में निवेश के लिए कई सुरक्षित और असुरक्षित प्लेटफॉर्म अवेलेबल है। निवेशक अपनी जरूरत के हिसाब से कोई भी प्लेटफॉर्म का चयन कर सकते हैं। ये आपकी जरूरत और पसंद पर निर्भर करता है। किसी भी स्कीम में निवेश कर आपका पैसा कितनी अवधि में डबल होता है या आपको कब तक डबल रिटर्न का फायदा मिलता है। इसे आसानी से कैलकुलेट किया जा सकता है। इससे जुड़ा 72 का नियम उपलब्ध है। इस नियम को इस्तेमाल करने के लिए ज्यादा कैलकुलेशन की जरूरत नहीं होती।

क्या होता है 72 का नियम- आज निवेश से जुड़े कई नियम उपलब्ध है। ताकि निवेश सही तरीके से और बेहतरीन रिटर्न के साथ हो सकें। आपकी जरूरत के हिसाब से अलग-अलग नियम उपलब्ध है। 72 नियम का उपयोग खास तौर पर तब किया जाता है, जब ये जानने की इच्छा हो कि एफडी या स्कीम में निवेश की रकम कितने समय बाद डबल हो जाएगी।

कैसे करता है ये नियम काम- 72 / मिलने वाला रिटर्न = कुल समय अगर आप ये जानना चाहते हैं कि एफडी या किसी सुरक्षित स्कीम में निवेश की रकम कब तक डबल हो जाएगी।

एसेट एलोकेशन क्या है और कैसे यह सफल निवेश का आधार बनता है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज कई रिटेल निवेशक इक्विटी, डेट, कमोडिटीज और रियल एस्टेट के माध्यम से पैसे बना रहे हैं। हालांकि, ये सभी एसेट क्लास रिस्क, रिटर्न जनरेशन, रिस्क-टू-रिवार्ड रेश्यो, वैल्यूएशन डायनामिक्स, टैक्सेशन और मार्केट साइकल्स के मामले में एक-दूसरे से अलग हैं।

ध्यान देने वाली बात यह है कि इन सभी एसेट क्लास की परफॉर्मेंस मार्केट की स्थिति और निवेशकों के सेंटीमेंट पर निर्भर करती है। इसलिए ये एक समय में एक जैसा परफॉर्म नहीं करते हैं। इसमें कभी इक्विटी बेहतर परफॉर्म करता है तो कभी कमोडिटीज और रियल एस्टेट। ऐसे में सवाल उठता है कि एक निवेशक कैसे सभी एसेट क्लास का फायदा उठाए। यहां एसेट एलोकेशन लॉन्ग टर्म में मदद कर सकता है।

एसेट एलोकेशन क्या है- एसेट एलोकेशन एक ऐसी रणनीति है, जो निवेशकों के रिस्क को डायवर्सिफाई कर देती है, जब बात लॉन्ग टर्म रिटर्न की हो। इसमें पैसे यानी फंड को अलग-अलग एसेट क्लास में उपयुक्त तरीके से आवंटित किया जाता है। इसको लेकर एक पुरानी कहावत है कि ÷हमें सभी अंडे एक टोकरी में नहीं रखनी चाहिए। अगर टोकरी गिर जाती है तो सभी अंडे टूट सकते हैं। इसलिए समझदारी यही है कि अंडों को अलग-अलग टोकरी में रखे जाएं, ताकि नुकसान कम हो। ठीक उसी तरह एसेट एलोकेशन के जरिए निवेशकों को इक्विटी, डेट, गोल्ड और रियल एस्टेट जैसे इंस्ट्रूमेंट्स में अपना पैसा लगाने का अवसर मिलता है, जिससे उनका पोर्टफोलियो किसी एक एसेट क्लास पर निर्भर नहीं होता। इससे रिस्क को अच्छे से मैनेज किया जा सकता है और पोर्टफोलियो को संतुलित बनाया जा सकता है।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए - एसेट एलोकेशन का सबसे बेहतर और स्थापित तरीका यह है कि आप म्यूचुअल फंड में निवेश करें। क्योंकि ये फंड अलग-अलग स्कीम के जरिए निवेशकों को बेहतर तरीके से समाधान प्रदान करते हैं। ऐसे ही कुछ स्कीम्स है- मल्टी-एसेट फंड, एसेट एलोकेटर फंड और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड।

99% लुढ़कने के बाद अब 1900% से ज्यादा उछला अनिल अंबानी का पावर शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस पावर के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली इस पावर कंपनी के शेयर क्चस्श्व में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 44.65 रुपये पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर पांच साल में 1900 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट लुढ़क गए थे और उसके बाद शेयरों में यह तेजी आई है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 54.25 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 23.26 रुपये है।

99% टूटने के बाद 1900% से ज्यादा चढ़ गए शेयर - अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर 23 मई 2008 को 274.84 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट लुढ़ककर 24 अप्रैल 2020 को 2.18 रुपये पर पहुंच गए। इस लेवल से रिलायंस पावर के शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर पांच साल में 2.18 रुपये से बढ़कर 44.65 रुपये पर पहुंच गए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

ठगी के गिरोह में सब्जी वाले से बैंक मैनेजर तक शामिल, किराये के खातों में पांच करोड़ का लेनदेन

नागदा से पकड़े गए छह आरोपित, डिजिटल अरेस्ट ठगी में इनकी भूमिका

करण विनाज्ञा
उम्र 19- हाउसिंग बोर्ड बालोनी, नागदा।- इसका बड़ा भाई उदयराज इस गैंग का सरगना है। चेकबुक, एटीएम कार्ड यही रखता है।

राहुल कहार
उम्र 22- चेतनपुरा, नागदा- खाताधारक, जिसके खाते में 10 लाख रुपये गए। प्रति ट्रांजेक्शन पांच हजार रुपये मिलते हैं।

तुषार गोमे
उम्र 26- श्रीराम कालोनी, नागदा- सचिव से ठगी गई रकम बैंक से निकालने यह गया था, प्रति ट्रांजेक्शन तीन हजार रुपये का कमीशन।

शुभम राठौर
उम्र 23- पुरानी कोटा फाटक, नागदा- यह किराये पर खाते खुलवाकर उदयराज को उपलब्ध कराता है। कमीशन मिलता है।

विश्वजीत वर्मन
उम्र 46- वर्षा लेनोड सिटी रतलाम- बंधन बैंक का मैनेजर, इस मामले में डेढ़ लाख रुपये कमीशन मिला।

काजल जायसवाल
उम्र 27- ईडब्ल्यूएस, इंद्रानगर, उज्जैन- बैंक की कैशियर, धन निकालकर इन्हीं ने दिया।

ग्वालियर। रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदिप्तानंद को डिजिटल अरेस्ट कर 2.53 करोड़ रुपये ठगने के मामले में उज्जैन के नागदा से पकड़े गए गिरोह का सरगना उदयराज विनाज्ञा है। वह अपने भाई करण विनाज्ञा के साथ मिलकर देशभर के साइबर ठगों के संपर्क में था। उदयराज और उसके गिरोह में सब्जी वाले से लेकर बैंक मैनेजर, कर्मचारी तक शामिल हैं।

इनका काम ठगी की रकम के लिए किराये के खाते उपलब्ध कराना, इन बैंक खातों में से रुपयों को निकालना और ठगी करने वालों तक पहुंचाना है। इसके एवज में इन्हें कमीशन मिलता था। आश्रम के सचिव से ठगी की रकम में से 10 लाख रुपये सब्जी बेचने वाले राहुल कहार के खाते में भेजे गए। इस गिरोह से जुड़े करीब 50 और बैंक खाते हैं। इनमें पांच करोड़ से ज्यादा का लेनदेन है। यह धन देश के अलग-अलग हिस्सों से आया है।उदयराज की तलाश में लगी टीम

ग्वालियर पुलिस ने सचिव से ठगी के मामले में पकड़े गए सभी आरोपितों को कोर्ट में पेश कर पांच दिन की रिमांड पर लिया है। अब इनसे सरगना उदयराज के बारे में पूछताछ चल रही है, ताकि उस तक पहुंचा जा सके। एक टीम उदयराज की तलाश में भी लगी है। इस मामले में पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ में सामने आया है कि कमीशन काटने के बाद पूरा धन उदयराज को दे दिया था। उदयराज उस गैंग से जुड़ा है, जिसके कहने पर यह खाते उपलब्ध कराए जाते हैं यानी ठगी जहां से हुई, वह गैंग दूसरी है।

क्रिप्टो ट्रेडिंग की गई

यह गैंग सिर्फ ठगी के रुपयों को किराये के खातों से उन तक पहुंचाने वाली है। उदयराज के संपर्क में वह गैंग है, जो ठगी के रुपयों से क्रिप्टो ट्रेडिंग करती है। इस मामले में भी क्रिप्टो ट्रेडिंग की गई है। एसएसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सभी आरोपितों को पांच दिन की रिमांड पर लिया गया है। इनके खातों की पड़ताल चल रही है। सरगना की तलाश में टीम लगी है।

प्रयागराज के खाते में गए थे 1.30 करोड़, यहां की जांच में होगा बड़ा राजफाश-जितने भी खातों में ठगी का धन गया है। उस शहर का अलग गिरोह है। ठगी करने वाला गिरोह अलग है और इनका नेटवर्क हर प्रदेश में है। जहां से धन की हेराफेरी कराते हैं। सबसे ज्यादा रकम उप्र के प्रयागराज के इंडसइंड बैंक के खाते में गए थे। यहां की पड़ताल अभी बाकी है। इस पड़ताल में और बड़ा राजफाश होगा।

रायसेन में खाई में गिरी गाड़ी, 6 लोगों की मौत... बिहार से इंदौर लौट रहा था परिवार

रायसेन। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में सुल्तानपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-45 (भोपाल-जबलपुर मार्ग) पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बम्होरी ढाबे के पास हुआ, जब तेज रफ्तार तूफान गाड़ी (ट्रैवलर) अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई और लगभग 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

तूफान गाड़ी में सवार सभी 9 लोग इंदौर के चंदननगर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं, जो बिहार के पटना में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। लौटते वक्त कार में दूल्हा-दुल्हन समेत परिवार के अन्य सदस्य सवार थे। बताया गया है कि इस भीषण हादसे में दो साल की मासूम बच्ची की भी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में इनकी हुई मौत

वाहन खाई में गिरने से मोहनलाल कुरील पुत्र महावीर प्रसाद (68), चंदा देवी पुत्र मोहनलाल (60), नरेंद्र पुत्र बालाराम चोपड़ा (30), सरिता पत्नी रवि खोलवाल (25), तस्वी उर्फ चीनू (2), ड्राइवर सुनील की मौत हो गई।

तीन लोग हुए घायल

दुर्घटना में दीपक पुत्र बालाराम चोपड़ा, संगीता पति दीपक चोपड़ा (25) और रवि खोलवाल पुत्र भगीरथ (27) घायल हो गए हैं। घायलों में शामिल दीपक चोपड़ा दूल्हा है और संगीता दुल्हन है। दोनों परिवार बिहार के सुपौल जिले से शादी कर लौट रहे थे। घायल दूल्हा-दुल्हन और दूल्हे के जीजा को रायसेन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ड्राइवर गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा

घटना की जानकारी मिलते ही सुल्तानपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गाड़ी की रफ्तार तेज होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पुलिया से सीधे नीचे गिर गई।सड़क की हालत खतरनाक

यह हादसा नेशनल हाईवे-12 (जयपुर-जबलपुर मार्ग) पर बम्होरी गांव के पास हुआ, जहां सड़क की हालत पहले से ही संकरी और खतरनाक मानी जाती है। हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के गंभीर परिणामों की याद दिला दी है। पुलिस द्वारा हादसे की जांच की जा रही है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

स्कूटी सवार युवती ने नहीं लगा रखा था हेलमेट, चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मी ने जड़े थप्पड़, बैड टच भी किया,ज दोनों पक्षों पर केस

भोपाल। राजधानी में पुलिस को शर्मसार करने का एक मामला सामने आया है। यहां वाहन चेकिंग में तैनात एक पुलिसकर्मी ने बगैर हेलमेट के जा रही स्कूटी सवार युवती से वर्दी का रौब झाड़ते हुए अभद्रता की, फिर सरेराह उसे थप्पड़ जड़ दिए। युवती ने विरोध किया तो पुलिसकर्मी ने उसके सिर पर भी मुक्के मारे, जिससे नाक और मुंह से खून निकलने लगा। युवती जब उस पुलिसकर्मी की शिकायत करने थाने पहुंची तो वहां भी सुनवाई नहीं हुई, बल्कि आरोपी पुलिसकर्मी की शिकायत पर पीड़िता के विरुद्ध ही प्रकरण दर्ज कर लिया गया। बाद में जोन के डीसीपी ने दखल दिया तो महिला थाने में अगले दिन शिकायत की गई। इस पर पुलिस ने मारपीट और छेड़छाड़ की धाराओं में पुलिसकर्मी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। अवधपुरी क्षेत्र का मामला आमजन के प्रति पुलिस की बर्बरता का यह मामला अवधपुरी क्षेत्र का है। बुधवार शाम युवती (30) अपनी कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर स्कूटी से सामान खरीदने गई थी।

रामचरितमानस का विज्ञान पढ़ाएगा भोपाल का भोज मुक्त विश्वविद्यालय

भोपाल । मध्य प्रदेश का भोज मुक्त विश्वविद्यालय रामचरितमानस को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से पढ़ाने जा रहा है। इसके लिए स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम डिजाइन हुआ है, जो मानस में आए विज्ञान के सिद्धांतों को समाहित करता है। विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम के जरिए भारतीय संस्कृति और साहित्य की वैज्ञानिकता को आधुनिक ज्ञान के साथ जोड़ना चाहता है।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार नए पाठ्यक्रम में रामचरितमानस और भौतिक विज्ञान, रामचरितमानस और रसायन विज्ञान, रामचरितमानस और जीव विज्ञान, रामचरितमानस और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषय शामिल किए गए हैं। भोज विश्वविद्यालय ने तीन साल पहले विज्ञान से सामाजिक उत्थान नाम से एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया था।विद्यार्थियों को पढ़ाने का पाठ्यक्रम फिर डिजाइन किया

इसमें रामचरितमानस की चौपाइयों से पर्यावरण, जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र और भौतिक विज्ञान को समझाने का प्रयास किया गया है। इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में हर साल 50 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। अब स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन किया गया है।

विषय विशेषज्ञों का कहना है कि इस पाठ्यक्रम में मानस के अलग-अलग कांड में आए प्रसंगों के दोहों-चौपाइयों को लिया जाएगा। इसके जरिए वर्णन में छिपे विज्ञान के सूत्रों को समझाया जाएगा। उदाहरण के लिए मानस के उत्तरकांड में आई चौपाई हिमगिरि कोटि अचल रघुवीरा...का भावार्थ है कि श्री रघुवीर यानी भगवान राम करोड़ों हिमालयों के समान अचल या स्थिर हैं और अरबों समुद्रों से भी गहरे हैं..।

इस चौपाई में बताई गई भगवान की विशेषताओं के साथ इस पाठ्यक्रम में विद्युत चुंबकीय क्षेत्र, गुरुत्वाकर्षण के परिणामी बल के बारे में बताया जाएगा, जो इस चौपाई का छिपा विज्ञान है। इसी तरह अन्य चौपाइयों के आधार पर ही रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण और भौतिकी को जानने और समझने का मौका विद्यार्थियों को मिलेगा।

गणित-रसायन के सूत्रों को आसान करने की कोशिश-बताया जा रहा है कि इस पाठ्यक्रम में गणित और रसायन विज्ञान के कठिन सूत्र भी सरलता से समझाया जा सकेगा। रामकथा के विविध प्रसंगों पर आधारित छंदों से प्रभाविता का नियम, मेंडेलिज्म का आर्थिक महत्व जैसे हजारों नियमों और सूत्रों को आसान और लयबद्ध भाषा में समझाया जाएगा।

लाड़ली बहना और इसके जैसी योजनाओं से क्या हुआ बदलाव, घर-घर जाकर पता लगाएगी एमपी सरकार

भोपाल । मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना जैसी कई फ्लैगशिप योजनाओं का सोशल ऑडिट(सामाजिक अंकेक्षण) करवाया जाएगा। इन योजनाओं से लोगों के जीवन में क्या बदलाव आया, इनकी कमियों से लेकर खूबियों तक की रिपोर्ट बनाई जाएगी। यह रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत की जाएगी। इसके आधार पर योजनाओं में सुधार या परिवर्तन जैसे निर्णय लिए जा सकेंगे। इसके लिए शासन स्तर पर तैयारी की जा रही है। इसका प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। स्वीकृति मिलने पर विभागों से समन्वय कर सोशल आडिट की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।बता दें, मध्य प्रदेश में वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के पहले शुरू हुई लाड़ली बहना योजना के तहत वर्तमान में एक करोड़ 17 लाख पात्र महिलाओं प्रतिमाह 1250 रुपये दिए जा रहे हैं। इस योजना पर हर महीने करीब 1550 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

विद्यार्थियों ने बनाई अखबार की रद्दी से थैलियां और मेंहदी के कोन

प्राचार्य ने बताए विद्यार्थियों को मोबाइल के दुष्प्रभाव

इंदौर। इंदौर संभाग के धार जिला मुख्यालय पर स्थित महर्षि सांदीपनि (सीएम राइज) विद्यालय में रविवार को ÷सहृदय, सीखें, सृजन करें, समाज से जुड़ें÷ थीम पर आधारित ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पालकगण भी उपस्थित थे। कक्षा केजी से लेकर 10 वीं तक के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम दिन शिविर में सहभागिता की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. स्मृति रत्न मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। कक्षा 8 वीं की छात्राओं ने सरस्वती वंदना का गायन किया। इसके बाद शिक्षक राकेश मुकाती द्वारा विद्यार्थियों और शिक्षकों को मेडिटेशन

करवाया गया। शिविर में प्राचार्य डॉ. मिश्र ने मोबाइल के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल से ज्ञानवर्धक बातें सीखें और रील बनाने के चक्कर में न पड़ें। यदि रील बनाना ही है तो पढ़ाई लिखाई और अच्छी गतिविधियों की बनाएं।

ये गतिविधियां सीखी विद्यार्थियों ने- शिविर के प्रथम दिन रविवार को विद्यालय का माहौल रोज से अलग होकर उत्साहपूर्ण था। परंपरागत कक्षा शिक्षण से अलग हटकर रोचक गतिविधियां करते हुए लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न रोजगारपरक गतिविधियां करते हुए इन विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उन्हें खेल-खेल में और रोचक तरीके से दिया गया दिया गया। विद्यार्थियों को समूह में बांटकर उन्हें अखबार के रद्दी कागज से थैलियां बनाना सिखाया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वयं अनेको थैलियां बनाई। कुछ विद्यार्थियों के समूह ने आर्ट एवं क्राफ्ट की बारीकियां सीखी तो कुछ ने पेंटिंग की। छात्राओं के एक समूह ने मेहंदी की डिजाइन बनाना और मेंहदी के कोन बनाना सीखा। इसके अलावा स्थानीय खेलकूद में भी अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रदर्शनी में बेचेंगे विद्यार्थी अपनी बनाई सामग्री- दस दिवसीय शिविर के दौरान विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिदिन जो विभिन्न प्रकार की सामग्री बनाई जायेगी उन सभी को अंतिम दिन प्रदर्शनी लगाकर विक्रय किया जायेगा। इससे विद्यार्थी के अंदर एक स्वावलंबन की भावना पैदा होगी और भविष्य में वे शिविर में सीखी गई विधाओं को विस्तृत रूप देकर उसे अपना रोजगार भी बना सकेंगे।

जनकल्याण और सुशासन में दें योगदान : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शानिवार रात मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो।

पराली नियंत्रण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं। इससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनका समय भी बचेगा।

ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य का ध्यान रखें नागरिक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जाए। आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें। बाजार में संक्रमित फल न बिकें, उस पर नजर रखी जाए। सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधी सागर में 2 चीतों के छोड़े जाने के अवसर पर दी प्रदेश के नागरिकों को बधाई

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के छोड़े जाने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीते छोड़े जाने का अवसर प्रसन्नता का विषय है। इस लुप्त प्रायः प्रजाति के वन्य प्राणी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से सितंबर 2022 में मध्यप्रदेश में पहली बार लाया गया था। अब इन चीतों का कुनबा बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदसौर जिले के गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीतों को छोड़ा जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। ÷चीता प्रोजेक्ट÷ मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य भारत में चीतों की संख्या बढ़ाना और उनकी प्रजाति को बचाना है। इसमें हमें सफलता भी मिल रही है। गाँधी सागर अभयारण्य प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थान है, जहाँ चीतों को बसाया जा रहा है। वन्य जीव पर्यटन की दृष्टि से आज एक ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीतों की संख्या बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका, केन्या और बोत्सवाना से चीतों को लाकर मध्यप्रदेश के जंगलों में बसाया जा रहा है।

यूट्यूब में प्रसारित आलीराजपुर ज़िले के संबंध में असत्य तथ्यों का जिला प्रशासन ने किया खंडन

इंदौर। यू-ट्यूब पर प्रसारित एक वीडियो में आलीराजपुर ज़िले के जनजातीय संस्कृति और जीवन पद्धति और शासन की आम जनता तक पहुँच का ग़लत चित्रण करने पर जिला प्रशासन ने वीडियो में उल्लेखित विभिन्न तथ्यों को असत्य बताया है। कलेक्टर आलीराजपुर डॉ. अभय अरविंद बेड़ेकर ने बताया है कि यू-ट्यूब पर एक वीडियो प्रसारित किया गया है जिसमें पेरियोत्तर फलिया ग्राम ककराना में शासन की विभिन्न योजनाओं एवं मूलभूत सुविधाएं ग्रामीणों तक नहीं पहुंचने के बारे में बताया गया है, जो कि असत्य है। क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों ने भी प्रसारित वीडियो में जनजातीय संस्कृति और जीवन पद्धति का ग़लत चित्रण करने पर असंतोष व्यक्त किया। वीडियो में बताया गया है कि जनजातीय समाज के लोग पहाड़ियों में अभावों के बीच में दूर दूर रह रहे हैं। जबकि झाबुआ आलीराजपुर बड़वानी आदि ज़िलों में जनजातीय समाज का फालियों में रहना एक सामान्य परंपरा है। कलेक्टर डॉ. बेड़ेकर ने वीडियो में गलत चित्रण करने पर वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए बताया है कि ग्राम ककराना की कुल जनसंख्या 1596 एवं ग्राम में कुल 300 परिवार निवासरत हैं। ग्राम में 11 वार्ड हैं एवं कुल मतदाताओं की संख्या 992 है। ग्राम में कुल 230 प्रधानमंत्री आवास है, लगभग 426 संबल योजना अन्तर्गत पात्र हितग्राही पंजीकृत है। ग्राम में शासकीय उचित मूल्य की दुकान हैं, जिससे 280 परिवार राशन प्राप्त कर रहे हैं। ग्राम में माध्यमिक शाला एवं 2 प्राथमिक शालाएँ संचालित है। इसके अतिरिक्त ग्राम में 3 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र भी संचालित हो रहे हैं। कुल 247 महिलाओं को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अन्तर्गत लाभ दिया जा रहा है। गांव में 1 प्राथमिक उप-स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है एवं गांव कुछ इलाके जो नर्मदा नदी के उस पार है, वहां स्वास्थ्य हेतु नर्मदा समय सेवा की नदी एम्बुलेंस संचालित हैं।

मांगलिया में आयुष औषधालय का लोकार्पण जल्द, मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने दिए विकास कार्यों के निर्देश

इंदौर। इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र के मांगलिया में निर्माणाधीन आयुष औषधालय लगभग तैयार हो चुका है और जल्द ही इसका लोकार्पण होने जा रहा है। इस संबंध में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर औषधालय और आसपास के क्षेत्र के विकास को लेकर निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने पीडब्ल्यूडी विभाग को आयुष औषधालय तक पहुंचने वाली अप्रोच रोड और मांगलिया मेन रोड से औषधालय के पीछे के गेट तक सीसी रोड निर्माण के लिए इस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मांगलिया मेन रोड से अतिक्रमण हटाकर खाली स्थानों पर पेवर ब्लॉक लगाने के भी निर्देश मंत्री जी ने दिये।

अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, रेलवे, पुलिस ट्रैफिक और थाना प्रभारी को मांगलिया ओव्हर ब्रिज के पास रोड डायवर्शन की योजना बनाने के निर्देश दिए गए।

पीआईएमआर के छात्रों ने लाइव आईओटी प्रोजेक्ट प्रदर्शन से बिखेरा जलवा

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईएमआर) यूजी कैंपस के बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (बीसीए) कार्यक्रम के छात्रों ने इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत कर अपनी तकनीकी कुशलता और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। आकर्षक लाइव प्रदर्शनों के माध्यम से छात्रों ने अपने विचारों को साकार किया, जिसमें सेंसर, माइक्रोकंट्रोलर और स्मार्टफोन का उपयोग कर स्मार्ट होम सिस्टम और अन्य अत्याधुनिक आईओटी एप्लीकेशंस विकसित किए गए। इस आयोजन में प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. दाविश जैन, पीआईएमआर के निदेशक एस. रमन अय्यर, डीन डॉ. नितिन टंटेड, और डॉ. राजीव रघुवंशी सहित संकाय सदस्यों और सहपाठियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और छात्रों की सराहना की। लाइव प्रदर्शनों ने दर्शकों को प्रभावित किया, जो छात्रों की उभरती प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग की क्षमता को दर्शाता था। बीसीए विभाग ने छात्रों के समर्पण की प्रशंसा की और इस तरह के व्यावहारिक शिक्षण अनुभवों के महत्व पर जोर दिया, जो उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

इंदौर में राष्ट्रीय स्तर की एकेडेमिक मेडिकल कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

इंदौर। द बायोप्सी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन इंदौर ब्रांच के सांझा आयोजन में ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय एकेडेमिक मेडिकल कॉन्फ्रेंस वांछित ऊंचाइयों को स्पर्श कर गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई। कॉन्फ्रेंस में देशभर के डॉक्टर्स उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. पुष्पराज भटेले, डॉ ओ पी तिवारी, डॉ. सुधीर गोखले, डॉ. आर के सोडानी , डॉ. चैतन्य पुराणिक, डॉ. एस शिवराम, डॉ. राजेन्द्र भंडारी, डॉ. मनीष भगत, डॉ. प्रेम त्रिपाठी, डॉ नितिका बेंजामिन, डॉ. राजकुमारी रावत, डॉ. वर्षा सोडानी, डॉ. राजू शर्मा, डॉ. देवसेनाथिपति कंडासम, डॉ. अंकुर गोयल, डॉ. अतिन कुमार,

डॉ. शिवानंद ग़मनगट्टी, डॉ हेमंत करमलकर, डॉ शैलेश गुप्ता, डॉ अंकित गुप्ता , डॉ राजेश गुप्ता, डॉ रीतिमा गुप्ता ,श्री हरिओम गुर्जर, श्री संजय वर्मा , श्री शिवाजी मोइत्रा उपस्थित रहे। एम्स दिल्ली से डॉक्टर राजू शर्मा ने इस क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी के प्रभावी उपयोग के संबंध में उपयोगी मार्गदर्शन दिया। उपस्थित चिकित्सा विज्ञान विशेषज्ञों ने अपने-अपने प्रोफेशनल अनुभव के आधार पर एम. आर. आई., सी. टी. स्केन , अल्ट्रा सोनोग्राफी की जांच में प्राप्त परिणाम के आधार को अलग अलग नजरिए से पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से शेयर किया। उपस्थित डॉक्टर्स ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। आयोजित कॉन्फ्रेंस इंदौर के लिए उपयोगी साबित सिद्ध हुई। उपस्थित डॉक्टर्स ने जताया कि यह कॉन्फ्रेंस मानव हित में वर्तमान की गहन बीमारियों को ध्यान में रखते हुए मरीजों के इलाज में निश्चित सहायक होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव दम्पति को दिया आशीर्वाद

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर प्रवास पर रहे। अपने प्रवास के दौरान वे केट रोड स्थित एक विवाह समारोह में शामिल हुए। यह समारोह इंदौर के विधायक श्री मधु वर्मा और पूर्व पार्षद श्री बलराम वर्मा के परिवार में आयोजित था।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मुख्यमंत्री द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत की गई क्षिप्रा नदी में उतर कर घाटों की सीढ़ियों की सफाई

मुख्यमंत्री जी ने दिया जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदी, तालाबों, कुएं, बावड़ियों की सफाई, स्वच्छता एवं संवर्धन का संदेश

उज्जैन। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोमवार को मध्य प्रदेश शासन के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा क्षिप्रा नदी के घाटों, सीढ़ियों की सफाई नदी में उतरकर अपने हाथों से करते हुए इस अभियान के क्रम में नदी, तालाबों, कुएं, बावड़ियों की सफाई एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया।

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा सफाई कार्य उपरांत क्षिप्रा नदी में स्नान करते हुए मां क्षिप्रा की आरती पूजन किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी देते हुए नदी, तालाबों के संरक्षण संवर्धन के बारे में बताया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी के कर कमलों से नगर निगम उज्जैन के सफाई मित्रों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा पंचक्रोशी यात्रा में जाने वाले श्रद्धालुओं का भी पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया

इस दौरान विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र भारती, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री जगदीश अग्रवाल, श्री रूप पमनानी, श्री महावीर नाथ जी महाराज उपस्थित रहे।

50 वर्षों से खण्डेलवाल वैश्य पंचायत द्वारा संचालित प्याऊ का किया व्यवस्थीकरण

उज्जैन। खण्डेलवाल समाज उज्जैन द्वारा टॉवर से शहीद पार्क के मध्य चौराहे पर गत 50 वर्षों से प्याऊ निर्मित है जिसका संचालन एवं संवर्धन खण्डेलवाल वैश्य पंचायत उज्जैन द्वारा किया जा रहा है। उक्त प्याऊ का व्यवस्थीकरण किया गया साथ ही गर्मी की आवश्यकता को देखते हुए 10 बड़ी ठंडे पानी की नांद भी प्याऊ के विस्तारित रूप में लगाई गई।

प्याऊ का लोकार्पण सम्राट विक्रमादित्य फ्रीगंज व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष गोविंद यादव (बबलू यादव), क्षेत्रीय पार्षद अनिल गुप्ता, महासंघ सचिव अनिल राठौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर खण्डेलवाल वैश्य पंचायत अध्यक्ष गोविंद खण्डेलवाल, सचिव अनिल सामरिया, कोषाध्यक्ष गुलशन नाटानी, समन्वयक राजेंद्र सोखिया, भवन प्रभारी मनीष मेहरवाल, जनसंपर्क एवं मीडिया प्रभारी अर्पित गुप्ता, मनोनीत सदस्य सुशील सामरिया, दिलीप पाटोदिया, समाजजन एन एल गुप्ता, ओमप्रकाश बड़ेरा, रमेश गुप्ता, रितेश दास ने अतिथि सत्कार किया। इस अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य फ्रीगंज व्यापारी महासंघ का सहयोग विशिष्ट रहा। महासंघ के सचिव अनिल राठौड़, कोषाध्यक्ष राजकुमार परसवानी, उपाध्यक्ष हेमन्त गुप्ता, आनंद पोरवाल, राजा कालरा, यशवंत पटेल, हेमंत गुप्ता, ओम जायसवाल, योगेश राठौर, अभिषेक गोयल, जितेंद्र चौहान, अजय भालिया आदि उपस्थित थे। खण्डेलवाल वैश्य पंचायत के अध्यक्ष गोविंद खंडेलवाल ने इस अवसर पर सिंहस्थ के लिए शासन की ओर से की जा रही तैयारियों के साथ ही शहरवासियों को भी सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के भोजन- पानी की व्यवस्था के लिए अभी से योजना बनाने का आग्रह किया।

उज्जैन में हुई विश्वमांगल सभा धर्म संस्कृति शिक्षा विभाग की अखिल भारतीय त्रिदिवसीय बैठक

उज्जैन। विश्वमांगल सभा धर्म संस्कृति शिक्षा विभाग की अखिल भारतीय त्रि दिवसीय बैठक उज्जैन के त्रिवेणी स्थित स्वामीनारायण आश्रम में आयोजित की गयी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी अवधेश प्रकाशजी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ वृषाली ताई जोशी, राष्ट्रीय अध्यक्षा रेखा देवी खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री पूजा पाठक, धर्म संस्कृति शिक्षा विभाग संगठन मंत्री डॉ राधिका कमावीसदार, माधुरी शिरपुरकर।

मधुमेह प्रबंधन में जागरूकता और अनुशासन सबसे बड़ी दवा- प्रो. के. पी. नामदेव

उज्जैन। मधुमेह आज केवल एक रोग नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ी एक वैश्विक चुनौती बन चुका है। इससे बचाव और प्रबंधन केवल दवाओं से नहीं, बल्कि संतुलित जीवनशैली, नियमित दिनचर्या और जागरूक मानसिकता से संभव है।

यह विचार गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के फार्मेसी विभाग के प्रोफेसर प्रो. के. पी. नामदेव ने विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के अद्भुत फ्लैगशिप कार्यक्रम 'विक्रमादित्य वाणी' की अगली कड़ी में रेडियो दस्तक 90.8 एफएम पर प्रसारित एक परिचर्चा में व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान विक्रम विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. कमलेश दशोरा ने मधुमेह की जटिलताओं, युवाओं में बढ़ते मामलों, और औषधीय विज्ञान के साथ जीवनशैली प्रबंधन की भूमिका से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे।

प्रो. नामदेव ने उत्तर देते हुए कहा कि मधुमेह एक ऐसा रोग है जो अनुशासन को जीवन का अंग बनाने से नियंत्रण में रह सकता है। उन्होंने कहा कि नियमित खानपान, मध्यम व्यायाम, समय पर दवा सेवन और तनाव मुक्त जीवनशैली इसके प्रमुख आधार हैं। उन्होंने यह भी जोड़ते हुए कहा कि जनसामान्य को इस विषय पर सतत रूप से शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि रोग की पहचान प्रारंभिक स्तर पर ही हो सके और गंभीरता से बचा जा सके। उन्होंने मधुमेह के रोगियों के लिए आहार प्रबंधन, दिनचर्या निर्धारण, और मानसिक संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक सुझाव भी दिए।

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने बताया कि 'विक्रमादित्य वाणी' विक्रम विश्वविद्यालय और रेडियो दस्तक 90.8 एफएम के मध्य हुए एमओयू का एक सृजनात्मक प्रतिफल है, जो वैज्ञानिक दृष्टिकोण, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा समकालीन सामाजिक विषयों पर संवाद की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है। यह केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं, बल्कि व्यापक जन-जागरूकता की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास है। इस श्रृंखला के अंतर्गत विभिन्न विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक परिचर्चाओं का नियमित प्रसारण किया जा रहा है, जो आगामी समय में भी सतत रूप से जारी रहेगा।

उज्जैन शहर को शव वाहन के रूप में दी एक और सौगात, शव वाहन का लोकार्पण

उज्जैन। पिछले कई वर्षों से उज्जैन शहर में फ्री शव वाहन सेवा दे रहे नई पहल नई सोच सामाजिक संगठन द्वारा उज्जैन शहर को शव वाहन के रूप में एक और सौगात दी।

संस्था के सैयद आबिद अली मीर और शाहिद हाशमी ने बताया कि शव वाहन का लोकार्पण करते हुए मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने कहा कि मैं देख रहा हूं पिछले कई वर्षों से आपकी संस्था सेवा दे रही है पर पुराने शहर में शव वाहन के रूप में छोटी गाड़ी की अति आवश्यकता थी। महाकाल लोक बनने के बाद बड़ी तादाद में लोग दर्शन के लिए आते हैं। आवागमन बढ़ने से बड़ी गाड़ी से बाहर के लोगों को परेशानी होती थी छोटी गाड़ी से बहुत सुविधा आम जनता को हो जाएगी। मैं आपके इस कार्य की प्रशंसा करता हूं। आदिल एहसन, डॉ. शाहिद हुसैन, पंकज मिश्रा, जीवन गुरु, आजम बेग, शेख़ इलियास, शकेब अख्तर कुरैशी, जावेद खान, डॉ मुंशी खान, डॉ सरफराज नवाज, कर्नल आतिफ ने गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी अवसर पर पिछले 10 वर्षों से शव वाहन चला रहे उस्मान अली का शाल पहनाकर, श्रीफल भेंटकर सम्मान मम्मू पटेल, राशिद अली खान, सैयद असद अली, फैसल रहता, फेज अली जाफरी, बादशाह भाई, इमरान लाला, हाफिज खान, अकील एल ची, अफ्तब रब्बानी ने किया। इस अवसर पर नई पहल के सदस्य क़मर अली, नासिर खान, इं.अब्दुल हकीम खान, अ.खलील खान, गुफरान लाला, सैयद मोहम्मद अली, कुज़हिद भाई, रफ़िक़ खान, इमरान अंसारी, आरिफ खान, शाहनवाज अली, उबेद अली, बरकत शेख, जावेद हुसैन, इमरान शेख आदि मौजूद थे।

मेढ़ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार पंचायत न्यास का हुआ स्नेह मिलन समारोह

उज्जैन। इंदौर रोड काला पत्थर स्थित मेंढ़ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार पंचायत न्यास की भूमि सर्वे नम्बर 330/5 पर पहली बार समाज का स्नेह मिलन समारोह का आयोजन मेढ़ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार पंचायत न्यास उज्जैन के अध्यक्ष अरविंद वर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। स्नेह मिलन समारोह का शुभारंभ माता अंबे एवं पित्र पुरुष अज़मीढ के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित एवं महाआरती कर किया गया। स्नेह समारोह के अंतर्गत समाज अध्यक्ष अरविंद वर्मा, उपाध्यक्ष कृष्ण भवण, सचिव आनंदीलाल सोनी, कोषाध्यक्ष मोहनलाल आर्य, सहसचिव देवेंद्र रूग्रेचा, राजेश मोसुन, गजेंद्र देवाल, उमाशंकर जंगलवा, प्रहलाद वर्मा, राधेश्याम जालू, युवा संगठन अध्यक्ष आशीष दसनिया, उपाध्यक्ष हरीश रोडा, राजेश रोड़ा, विजय कुकरा का महिला अध्यक्ष मनोरमा मौसुण द्वारा दुपट्टा एवं मोती की माला पहनाकर सम्मान किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com